गजानंद तुम्हारी शरण चाहिए भजन लिरिक्स

सवाली हूँ सवाली को ना धन चाहिए,
ना धन चाहिए,
गजानंद तुम्हारी शरण चाहिए,
शरण चाहिए।bd।

तर्ज – दीवाने है दीवानों को ना।

कोई रिद्धि सिद्धि के दाता कहे,
हाँ दाता कहे,
कोई ज्ञान बुद्धि विधाता कहे,
विधाता कहे,
तुम्हारे गुण गाऊँ ऐसा मन चाहिये,
ना धन चाहिए,
गजानन्द तुम्हारी शरण चाहिए।bd।

माँ गौरा की आंखों के तारे हो तुम,
तारे हो तुम,
पिता भोले शिव के दुलारे हो तुम,
दुलारे हो तुम,
गणों के गणराजा के भजन चाहिए,
ना धन चाहिए,
गजानन्द तुम्हारी शरण चाहिए।bd।

करूँ मैं तुम्हारी प्रथम वन्दना,
प्रथम वन्दना,
यह सच है ना जानू तेरी साधना,
तेरी साधना,
'पदम्' को तेरी भक्ति की,
लगन चाहिए,
ना धन चाहिए,
गजानन्द तुम्हारी शरण चाहिए।bd।

सवाली हूँ सवाली को ना धन चाहिए,
ना धन चाहिए,
गजानंद तुम्हारी शरण चाहिए,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक – यशवंत शर्मा।
लेखक / प्रेषक – डालचन्द कुशवाह 'पदम्'।
भोपाल 9827624524

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com